बुधवार
02 मार्च 2022

पृष्ठ 4

विटामिन- सी की कमी को प्राकृतिक रुप से दूर करने में सहायक हैं ब्रोकली

पृष्ठ 5

आगामी एंथोलॉजी फिल्म में अनुभव सिन्हा, सुधीर मिश्रा के साथ काम करेंगी तापसी

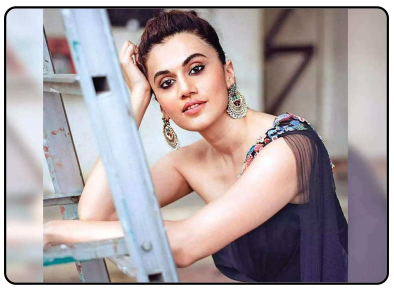

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 37
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

हँसमुख व्यक्ति वह फुहार है जिसके छींटे सबके मन को ठंडा करते हैं।

–अज्ञात

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

जिलाधिकारी यूक्रेन में फंसे लोगों की पूरी जानकारी जुटाएः राधा रतूड़ी

संवाददाता

देहरादून। यूक्रेन में फंसे उत्तराखंड के नागरिकों की सकुशल घर वापसी के संदर्भ में आज सचिवालय में हुई अधिकारियों की बैठक में सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वह यूक्रेन में फंसे लोगों से और उनके परिजनों से लगातार संपर्क बनाए रखें और उनके बारे में सभी जानकारियां एकत्रित करें जिसे दिल्ली स्थित स्थानिक आयुक्त कार्यालय को भेजा जा सके जिससे लोगों की सुरक्षित वापसी संभव हो सके, और एमईए को सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके।

प्रभारी मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि अब तक उनके पास 282 लोगों के यूक्रेन में होने की जानकारी है

●यूक्रेन में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी के प्रयासों में जुटा सरकारी अमला

तथा 33 लोग अब तक वापस लौट आए हैं। उन्होंने कहा कि बाकी लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके इसके लिए राज्य आपदा परिचालन केंद्र को सक्रिय किया गया है तथा जनपद व तहसील स्तर पर नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं। दिल्ली और मुंबई पहुंचने वाले लोगों के लिए एक समन्वय केंद्र स्थापित किया गया है जिससे कि वापस आने वालों के परिजनों को उन तक पहुंचने व रहने की कोई समस्या न हो।

उन्होंने कहा कि इसके लिए दिल्ली में सचिव विनोद कुमार सुमन को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में फंसे लोगों की वापसी के लिए सूचनाओं के आदान-प्रदान में किसी तरह की दिक्कत न हो इसकी एक मजबूत व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में फंसे लोगों की लोकेशन सहित अगर सभी जानकारियां उपलब्ध होगी तभी उन तक पहुंचना संभव होगा और उनकी वापसी के सही प्रयास किए जा सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि यूक्रेन में फंसे उत्तराखंड के लोगों को वापस लाने को

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

परिणाम से पहले ही भाजपा में भारी हलचल

संवाददाता

देहरादून। मतदान के बाद प्रदेश भाजपा के नेताओं द्वारा अपनी ही पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं पर जो आरोप लगाए जाते रहे हैं उससे पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व भी सहज हो गया है। लगातार आ रही शिकायतों को लेकर भले ही अभी कोई एक्शन नहीं लिया गया हो लेकिन 10 मार्च को आने वाले चुनाव परिणाम के साथ ही प्रदेश भाजपा में बड़ा परिवर्तन तय माना जा रहा है।

अपनी ही पार्टी प्रत्याशियों और पूर्व विधायकों के द्वारा अपनी ही पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं पर भितरघात के जो आरोप प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं, उसे केंद्रीय नेतृत्व और संगठन ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। यह बात अलग है कि अभी हाईकमान इन आरोपों की सत्यता परखने और चुनावी नतीजों के इंतजार में है लेकिन चुनाव परिणाम भले ही कुछ भी रहे प्रदेश भाजपा में परिणाम के बाद एक बड़ा ऑपरेशन तय माना जा रहा है। हाईकमान को भी भितरघात की खबरों के बीच चुनाव के

❑चुनाव परिणाम आते ही होगा बड़ा फेरबदल
❑अंतर्कलह व भितरघात ने बढ़ाई चिंता

बहुत अच्छे नतीजों की भी उम्मीद कम ही है। यही कारण है उसने अभी से किसी भी स्थिति में क्या करना है इसकी रणनीति पर मंथन शुरू कर दिया है।

पूर्व सीएम रमेश पोखरियाल निशंक के बाद अब सीएम धामी का दिल्ली दौरा और हाईकमान से मुलाकात का मतलब इन्हीं सब मुद्दों से जोड़कर देखा जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक पर जिस तरह के आरोप लग रहे हैं ऐसी स्थिति में उनका अब इस पद पर बने रहना मुश्किल ही लग रहा है। भाजपा अध्यक्ष

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

यूक्रेन के खार्किव शहर में छिड़ा भीषण युद्ध, 21 लोगों की मौत

कीव। रूस–यूक्रेन के बीच चल रही जंग का आज सातवां दिन है। रूस–यूक्रेन के बीच जारी जंग के बीच रूसी सेना ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव में बड़ा हमला किया है, जिसमें यूक्रेन के २१ लोगों की मौत हो गई है और ११२ लोगों के घायल होने की खबर है। इससे पहले रूसी सेना ने कीव में भी लगातार हमले कर रही है और आवासीय भवनों को भी निशाना बना रही है। आज सुबह रूसी सेना ने खार्किव में हमला बोला, जिसकी वजह से वहां की सड़कों पर तत्काल झड़पें शुरू हो गईं थी। पिछले सा दिनों से चल रहे युद्ध में सैंकड़ों लोग अबतक मारे गए हैं। रूसी सेना यूक्रेन के प्रमुख शहरों पर कब्जा करने का प्रयास कर रही है। यूक्रेनी अधिकारी के मुताबिक आज खार्किव में हुए इस बड़े हमले में कम से कम २१ लोग मारे गए हैं और करीब ११२ खार्किव की गोलाबारी में घायल हैं। इस बीच रूस का कहना है कि उसने यूक्रेन के खेरसॉन शहर पर कब्जा कर लिया है। इससे पहले आज सुबह में खार्किव में एयरट्रूपर्स उतारने के बाद रूसी सेना ने हमले तेज कर दिए थे, रूसी सेना ने आज सुबह ही खार्किव के एक अस्पताल पर हमला किया था और उसके बाद बड़े धमाके हो रहे थे। बता दें कि यूक्रेन की राजधानी कीव पर कब्जे को लेकर छिड़ी इस जंग में अबतक यूक्रेन से बड़ी संख्या में लोगों का पलायन हो रहा है। राजधानी कीव से दूसरे देशों को जा रहीं ट्रेनों में भीड़ की तस्वीर डराने वाली हैं।

भारत में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 7554 नए मामले सामने आए, 223 लोगों की कोरोना से मौत हुई

नई दिल्ली। भारत में पिछले २४ घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के नए मामलों में ६.२ प्रतिशत का इजाफा हुआ है। ऐसे में आज ७,५५४ नए कोविड–१६ केस सामने आए हैं। बता दें कि मंगलवार सुबह यह आंकड़ा ६,६१५ का था। वहीं, कोरोना संक्रमण से पिछले २४ घंटों में २२३ लोगों की मौत हुई है, जिसके बाद कुल मरने वालों की संख्या ५ लाख १४ हजार २४६ हो गई है।

वहीं, देश में अभी भी ४२,६३८,५६६ ताजा मामले मौजूद हैं, जबकि सक्रिय मामलों का आंकड़ा ८५,६८० हो गया है, जिसमें २४ घंटे में ०।२० फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान १४,१२३ लोग कोविड से रिकवर हुए हैं। ऐसे में अब कोरोना वायरस

संक्रमण से ठीक होने वाले मरीजों की कुल संख्या ४२,३३८,६७३ हो चुकी है। वैक्सीनेशन की बात करें तो पिछले २४ घंटों में ८,५५,८६२ को वैक्सीन लगी है, जिसके बाद अब तक १,७७,७६,६२,६७७ का कुल वैक्सीनेशन हो चुका है।

बता दें कि मंगलवार को ६,६१५ नए मामले सामने आए थे, जिसके बाद कुल मामलों की संख्या ४,२६,३१,०४५ हो गई थी। यही नहीं, इस दौरान १८० लोगों की कोरोना से मौत हुई, जिसके बाद कुल मौतों का आंकड़ा ५ लाख १४ हजार ०२३ हो गया था। इसके अलावा देश में कल कोविड–१६ से १६,८६४ लोगों की रिकवरी हुई है, जिसके बाद इस महामारी से कुल रिकवरी का आंकड़ा ४,२३,२४,५५० हो गया था।

भारत का सक्रिय केसलोड(एक्टिव केस) वर्तमान में ८५,६८० पर है। सक्रिय मामले देश के कुल सकारात्मक मामलों का ०.२०प्रति. हैं। देश भर में परीक्षण क्षमता का विस्तार जारी है। पिछले २४ घंटों में कुल ७,८४,०५६ परीक्षण किए गए। भारत ने अब तक ७६.६१ करोड़ (७६,६१,६७,०५२) कुल परीक्षण किए हैं। जबकि देश भर में परीक्षण क्षमता को बढ़ाया गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बच्चों की सुरक्षित वापसी का सवाल

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए किए जा रहे प्रयासों के बीच बीते कल कर्नाटक के रहने वाले छात्र की मौत की खबर ने उन अभिभावकों की चिंताओं को और अधिक बढ़ा दिया है जिनके बच्चे अभी युद्ध ग्रस्त क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। भारत सरकार द्वारा यूक्रेन के खराब होते हालातों के मद्देनजर अब अपने अभियान गंगा को और अधिक तेज कर दिया गया है। अपने चार मंत्रियों को यूक्रेन सीमा से सटे देशों में भेजने के अलावा अब वायु सेना सी-17 ग्लोबमास्टर जैसे विमानों को भी इस काम में लगा दिया गया है। भारत सरकार का दावा है कि अब सिर्फ चार हजार के आसपास ही छात्र यूक्रेन में शेष बचे हैं जबकि अब तक कुल सवा दो हजार के करीब छात्रों को ही इस अभियान के तहत 10 उड़ानों के माध्यम से लाया जा सका है। सवाल यह है कि जब युद्ध शुरू हुआ था तब 18 से 20 हजार भारतीय छात्रों के यूक्रेन में होने की बात कही गई थी। सरकार का कहना है कि २० फरवरी को जब पहली एडवाइजरी जारी की गई थी तब आठ हजार के करीब छात्र वापस लौट आए थे। अगर यह सच भी है तो अब तक 10 हजार छात्र वापस आ चुके हैं शेष 8 हजार के बारे में सरकार का कहना है कि 4 हजार के करीब छात्र यूक्रेन के पड़ोसी देशों में चले गए हैं सिर्फ चार हजार के करीब ही ऐसे छात्र शेष बचे हैं जो अभी भी यूक्रेन में फंसे हुए हैं। लेकिन 4 हजार की संख्या भी बहुत बड़ी संख्या है। सरकार का यह भी कहना है कि राजधानी कीव में अब एक भी भारतीय नहीं है। जबकि कल तक यहां से खबर आ रही थी कि बड़ी संख्या में अभी भी छात्र यहां फंसे हुए हैं। बात अगर उत्तराखंड की की जाए तो अब तक उत्तराखंड के सिर्फ 32 छात्रों की ही वापसी हो सकी है जबकि सीएम धामी के अनुसार 300 छात्र अभी भी यूक्रेन में फंसे हैं। युद्ध जनित स्थितियों में सच क्या है इसका आकलन किया जाना कठिन और मुश्किल जरूर है लेकिन इसमें अभी कोई संदेह नहीं है कि बड़ी संख्या में भारतीय छात्र यूक्रेन में फंसे हुए हैं। जिन्हें सुरक्षित वापसी की चुनौती तो है ही साथ ही यह बहुत मुश्किल काम है। रूस के आक्रमक रुख के कारण यूक्रेन के हालात दिनोंदिन गंभीर होते जा रहे हैं। इसलिए यह चुनौती और भी बड़ी होती जा रही है तथा छात्रों की जान का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। युद्ध से पूर्व भारत सरकार ने इन छात्रों की वापसी के उचित और गंभीर प्रयास नहीं किए गए। सरकार ने जो विवान सेवा उपलब्ध कराई उसका किराया एक लाख बीस हजार था जो अत्यधिक था। जिसे छात्र वहन नहीं कर सकते थे। युद्ध थमने के आसार अभी दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहे हैं ऐसी स्थिति में बाकी बचे छात्रों को कैसे वापस लाया जा सकेगा? यह एक यक्ष प्रश्न है। सरकार को चाहिए कि वह युद्ध ग्रस्त यूक्रेन में फंसे छात्रों की सुरक्षित वापसी के लिए रूस से भी वार्ता करें और रेड प्लस जैसी वैश्विक संस्थाओं की मदद ले जो युद्ध काल में घायल व पीड़ितों की मदद करती है।

अच्छी सोच स्वच्छ समाज निर्माण करती है: डॉ. त्रिलोक सोनी

देहरादून। पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी ने कहा कि मन के सुविचार व अच्छी सोच स्वच्छ समाज निर्माण में एहम भूमिका रखती हैं इसलिए हमें अपने मन मस्तिष्क में अच्छी सोच रखनी चाहिए।

आज यहां राजकीय इंटर कॉलेज छरबा में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर कार्यक्रम में स्वच्छता व नशा मुक्ति रैली के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित व उत्तराखंड में वृक्षमित्र के नाम से मशहूर पर्यावरणविद् डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी थे।

पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी ने एनएसएस स्वयंसेवियों को संबोधित करते हुए कहा कि मन के सुविचार व अच्छी सोच स्वच्छ समाज निर्माण में एहम भूमिका रखती हैं इसलिए हमें अपने मन मस्तिष्क में अच्छी सोच रखनी चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी जितेंद्र सिंह बुटोइया ने कहा नशा समाज में एक जहर हैं वक्त रहते इसे नही रोका गया तो आनेवाली पीढ़ी का भविष्य प्रभावित होगा। नशा मुक्ति समाज बनाने के लिए विशाल जन जागरूकता रैली निकाल कर नशा मुक्ति शपथ पत्र भरकर नशीले पदार्थ से दूर रहने की अपील की गई। हमारे विशेष शिविर में पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी आये और उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवियों को सफल जीवन बनाने के टिप्स दिये तथा देववृक्ष रुद्राक्ष का पौधा उपहार में भेंट भी किया। शिविर में विनोद कुमार पाठक, खजान सिंह, अब्दुल कादिर, सत्यम, लक्ष्य, अयान अंसारी, सलोनी सकलानी, नंदनी, सिमरन, अजिया, खुसुबो, सोनम, अर्चना सकलानी, श्रेष्ठिता सोनी व श्रेष्ठ सोनी आदि मौजूद थे।

यूक्रेन और रूस युद्धः गुटबंदी की ओर बढ़ती दुनिया

विकाश कुमार

युद्ध दोनों पक्षों के लिए हानिकारक होते हैं। मानवता के समर्थक कभी भी युद्ध का समर्थन नहीं कर सकते, क्योंकि यह एक ऐसा भयावह आधार होता है जिससे आम जनमानस को पीड़ा की ज्वाला में झोंक दिया जाता है। यह कुछ तथाकथित हठधर्मी नेताओं का वह निर्णय होता है जो हिंसा के समर्थक और मानवता के शत्रु, शांति में विश्वास ना रखने वाले एवं संवाद प्रणाली से दूरी बनाए रखते हैं। प्रत्येक प्रकार की समस्या का हल संवाद प्रणाली से किया जा सकता है, परंतु याद रखने वाली स्थिति यह भी होती है कि संवादात्मक गतिविधियों में मध्यस्थ करने वाले स्तंभों को भी उन मूल्यों में विश्वास होना चाहिए। कुछ इसी प्रकार की गतिविधियां वर्तमान वैश्विक समुदायों में देखी जा सकती हैं। रूस ने यूक्रेन से जंग का ऐलान कर दिया है उसके प्रमुख सैन्य ठिकानों में बमबारी एवं युद्ध पोतों से हमला करने के साथ-साथ उसके सैनिक यूक्रेन के प्रमुख शहरों में प्रवेश कर चुके हैं। वहां के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी हथियार उठा लिए हैं और उन्होंने वैश्विक महाशक्तियों से अपील की है कि ऐसी परिस्थितियों में संभावित सहायता करें। सहायता के लिए प्राय: फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका एवं कनाडा सहित अन्य देश आगे बढ़े हैं। जेलेंस्की के स्वयं हथियार उठा लेने के बाद वहां के आम नागरिकों में राष्ट्रप्रेम की चेतना और संचार का भाव दोगुना हो गया है। उन्होंने अपने राष्ट्र के रक्षा के लिए मरने और मारने दोनों के लिए तैयार हो गए हैं। उनके इस एक्शन को विश्व में सराहना की जा रही है, परंतु सवाल यह उठता है कि क्या यूक्रेन का जोश बिना हथियारों के रूस के विशाल सैन्य शक्ति के समक्ष कब तक टिक पाएगा?

अनच्छये तुरगातु जीवमेजद्धरुवं मध्य आ पस्त्यानाम्।
जीवो मृतस्य चरति स्वधाभिरमर्त्यो मर्त्येना सयोनिः।।
(ऋग्वेद १-१६४-३०)

आत्मा का एक शरीर को छोड़कर दूसरे शरीर में जाना इसका स्वभाव है। मरणधर्मा शरीर तभी तक गतिमान होता है, जब तक आत्मा का निवास उसमें रहता है। शरीर के साथ आत्मा रहती है, परंतु शरीर मरणशील है, और आत्मा अविनाशी है। आत्मा शरीर को छोड़कर विचरता है, क्रियाशील रहता है। कर्मफल के अनुसार वह मुक्ति प्राप्त करेगा या अन्य शरीर में जाएगा यह निर्णय परमेश्वर लेता है।

It is the nature of the soul to leave one body and go to another body. The mortal body moves as long as the soul resides in it. The soul remains with the body, but the body is mortal, and the soul is immortal. After leaving the body soul moves, remains active. According to the KarmaFal, God decides whether soul will attain salvation or go to another body.
(Rig Veda 1-164-30)

इसी बीच रूस ने यूक्रेन को बातचीत का ऑफर भी दिया ,परंतु जेलेंस्की ने इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा कि बेलारूस जैसे क्षेत्र से मेरे नागरिकों पर बमबारी और गोले बरसाए गए हैं ,ऐसे क्षेत्र से बातचीत का प्रस्ताव को स्वीकार मैं नहीं करता। दरसल रूस और यूक्रेन के मध्य का विवाद नाटो की सदस्यता को लेकर हो रहा है।

नाटो की स्थापना 1949 में अमेरिका के नेतृत्व मी साम्यवादी गतिविधियों को रोकने के लिए किया गया था जिसके वर्तमान समय में 30 देश सदस्य हैं जिनकी संख्या स्थापना के समय 12 थी। यह एक सैन्य संगठन है जिसका नारा है कि यदि किसी भी सदस्य देश पर कोई भी बाहरी शक्ति आक्रमण करती है तब ऐसी स्थिति में वह उसका मुकाबला सामूहिक रूप से करेंगे। इस संगठन के विरुद्ध पूर्व सोवियत संघ ने भी 1955 में वारसा पैक्ट की स्थापना की थी परंतु 1991 में सोवियत संघ के बिखरने के पश्चात वारसा पैक्ट का भी विघटन हो गया, परंतु नाटो अभी तक अस्तित्व में हैं। सोवियत संघ से विघटित अधिकतम देशों ने नाटो की सदस्यता ग्रहण कर ली है, यूक्रेन भी नाटो की सदस्यता ग्रहण करना चाहता था ,जिसका रूस के तत्कालीन राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने विरोध किया। उन्होंने तो नोटों से यह भी कहा कि 1997 के पश्चात जितने देशों ने नाटो संगठन की सदस्यता ग्रहण की है उनकी सदस्यता को रद्द किया जाए, यूक्रेन ने नाटो के सदस्यता क प्रस्ताव जैसे ही प्रस्तावित किया वैसे ही व्लादीमीर पुतिन ने अपनी सेनाओं को यूक्रेन के सीमाओं में तैनात कर दिया।

यूक्रेन फिर भी नहीं झुका और उसने भी अपने अस्तित्व बचाने के लिए एक विशाल सेना से युद्ध करने की ठान ली। सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि जब यूक्रेन ने नाटो की सदस्यता ग्रहण करने के प्रस्ताव की पेशकश की थी तब ऐसे संकट में नाटो संगठन की सदस्य देश प्रत्यक्ष रूप से उसकी सहायता के लिए आगे क्यों नहीं आए ? नाटो संगठन के चार्टर 5 के अनुसार केवल सदस्य देशों के आक्रमण पर ही कार्यवाही की जा सकती है, परंतु चार्टर 4 के तहत कार्यवाही की जा सकती थी। ऐसी स्थिति में उन्होंने किसी भी प्रकार की कार्यवाही क्यों नहीं की ? क्या उनको रूस का डर था ? क्या विवाद से दूर रहना चाहते थे ? क्या जानबूझकर समस्या को बढ़ाना चाहते थे? यदि नहीं तब ऐसी स्थिति में सभी सदस्यों को मिलकर यूक्रेन की सहायता करनी चाहिए। केवल आर्थिक प्रतिबंध लगा देने से और अपने देश में राजनैतिक आवागमन के प्रतिबंध कर देने से किसी भी देश का सैन्य साहस नहीं टूटता । हां यह जरूर कहा जा सकता है कि यदि युद्ध अधिक समय तक चला तोर उसको भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। कभी शाम में वहां का हिस्सा रहे यूक्रेन ने जब नाटो की सदस्यता का प्रस्ताव आगे बढ़ाया तब ऐसी स्थिति में अमेरिका सहित अन्य देशों को सैन्य सहायता अवश्य देनी चाहिए थी। प्रारंभ में यदि यह सभी देश यूक्रेन को विभिन्न प्रकार के आश्वासन ना दिए होते तो शायद आज यह स्थिति नहीं बनती। दरअसल इस युद्ध में विश्व के प्रमुख देश अपने गुट बंदियों की ओर बढ़ रहे हैं ,क्योंकि चीन जैसे देश सदैव रूस के समर्थन में ही रहेंगे। इधर भारत ने भी संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में निंदा प्रस्ताव पर वोटिंग ना करके अपने आप को इससे दूर ही रखा है। उधर अमेरिका जैसे अन्य देश केवल अपील करते दिख रहे हैं विशेष एक्शन नहीं ले पा रहे हैं। छोटे देशों ने काफी कुछ हद तक सहायता पहुंचाई है परंतु वह यूक्रेन के लिए पर्याप्त नहीं होगी। रूस के पास एक विशाल सेन सकती है जो आधुनिक हथियारों से सुसज्जित है, जवाबी कार्यवाही के लिए चाहिए कि उसके पास भी ऐसे ही हथियार, युद्धपोत, मिसाइलें एवं राइफल्स हों जो रूस के अधिक प्रभावशाली हों। अभी तक इस प्रकार की सैन्य सामग्री की पेशकश किसी देश ने यूक्रेन के लिए नहीं किया है। परिस्थितियों में भी गुट बंदियों को आधार बनाया जा रहा है। अमेरिका की यह धारणा जरूर रही होगी कि यदि वह रूस के विरुद्ध सैन्य आक्रमण करता है तब ऐसी स्थिति में चीन भी एक्शन लेने से पीछे नहीं हटेगा और यह बात सर्व विदित है कि अमेरिका ने जहां पर भी हस्तक्षेप किया है उन देशों में सफल लोकतांत्रिक शासन स्थापित नहीं हो सका है। उसने सैन्य सहायता लेने की जगह जेलेंस्की को यह प्रस्ताव दिया कि वह चाहे तो विमान में बैठकर अमेरिका आ सकते हैं। शायद ऐसा ही प्रस्ताव अशरफ गनी को भी दिया होगा। इन सभी प्रकार के प्रभावहीन प्रस्तावों के बीच यूक्रेन अकेला दिख रहा है, परंतु इतने बड़े देश से सेंड संघर्ष लगातार जारी रखना साहस और अपने राष्ट्रप्रेम के प्रति समर्पण और बलिदान का भाव दिखाता है। युद्ध विराम जल्द से जल्द ही होना चाहिए, क्योंकि अधिक समय तक युद्ध चलने से आम नागरिकों की हत्याएं और कत्लेआम अधिक हो सकता। कहने का अभिप्राय यह है कि यह क्षति और रूस और यूक्रेन दोनों को ही उठानी पड़ सकती है। अभी तक के जानकारी के मुताबिक 200 से अधिक यूक्रेन के नागरिकों कि इस युद्ध में मौत हो चुकी है। देश में भय का वातावरण व्याप्त है। ऐसे में मध्यम मार्ग निकालकर व्लादीमीर पुतिन को अपनी हठधर्मिता छोड़कर युद्ध विराम की घोषणा करनी चाहिए। इससे ही मानवता की रक्षा हो सकेगी। दोनों देशों को चाहिए की एक वार्ता करके संवाद शैली के माध्यम से आपसी विवादों को सुलझाएं ,क्योंकि युद्धों से आम नागरिकों की हत्याएं होती हैं।

(लेखक स्कॉलर केंद्रीय विश्वविद्यालय अमरकंटक एवं राजनीति विज्ञान विषय में गोल्ड मेडलिस्ट हैं)

घटनाओं के खुलासे हुए लेकिन तरीके बदले ?

संवाददाता

देहरादून। जनपद पुलिस द्वारा घटनाओं के खुलासे तो किये जा रहे हैं लेकिन अब तरीका बदल गया है। पहले मुकदमा दर्ज होने के बाद खुलासे होते थे लेकिन अब अपराधी को पकडने के बाद मुकदमा दर्ज हो रहा है?

राज्य बनने के बाद से पुलिस विभाग की कार्यशैली में भी काफी बदलाव आया है। पहले पुलिस विभाग मुखबिरों के भरोसे रहता था और वह मुखबिरी भी पूरी तरह से चौकस होती थी जिससे अपराधी का बचना मुश्किल होता था और वह मुखबिर भी पुराने अपराधी ही होते थे। लेकिन राज्य बनने के बाद यहां पर ऊंगलियों में गिनती के पुराने अपरी रह गये थे और वह भी मुखबिरी करने को तैयार नहीं दिखायी दिये। जिसके बाद मोबाइल युग शुरू हुआ तो पुलिस विभाग को भी मुखबिरों को छोड इसका सहारा लेना पडा। जिसके बाद किसी घटना में मोबाइल का प्रयोग हुआ तो उसका खुलासा तुरन्त कर दिया गया और मोबाइल का उपयोग नहीं हुआ तो अंधेरे में लठ चलाते रहो। इसी तरह से अपराधों का खुलासा होना शुरू हो गया। थाना पुलिस मुकदमा दर्ज कर सीध ` एसओजी कार्यालय के बाहर दिखायी देने लगी। क्योंकि उनके पास तो कोई संसाधन हैं नहीं तो एक मात्र सहारा एसओजी ही रह जाता है। लेकिन वर्तमान में पुलिस का तरीका बदल गया है। पहले मुकदमें दर्ज होते थे और उसके बाद उसका खुलासा होता था। लेकिन वर्तमान में इसका उल्टा होने लगा है अब पहले अपराधी को पकडा जाता है उसके बाद आनन फानन में मुकदमें दर्ज किये जाने लगे हैं? पुलिस विभाग से नजदीकी रखने वालों को पुलिस के खुलासे से पहले ही पता चल जाता है कि पुलिस किन घटनाओं का शीघ्र खुलासा करने वाली है। अगर जनपद के पुलिस थानों में चोरी की घटनाएं लिखी जा रही हैं तो समझ लिया जाता है कि पुलिस के हाथ चोर लग गये हैं इसीलिए कई थानों में मकानों में हुई चोरी की घटनाएं दर्ज हो गयी है। अगर वाहन चोरी की घटनाएं लिखी गयी है तो वाहन चोर दबोच लिये गये हैं और होता भी वही है? सुबह मुकदमें दर्ज हुए शाम को उनका खुलासा हो गया। अब देखने वाली बात है कि पुलिस के आला अधिकारी पुलिस की इस कार्यशैली में कुछ बदलाव लायेंग या फिर ऐसा ही चलता रहेगा?

मकान का ताला तोड़कर चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से हजारों रूपये के जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहब्बेवाला निवासी हीरा बल्लभ भदोला ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह 16 फरवरी को परिवार के साथ बाहर गये थे लेकिन जब वह 22 फरवरी को वापस आये तो उन्होने देखा कि उनके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ पडा था। चोरों ने अलमारी का ताला तोडकर वहां से एक केमरा, पाजेब व एक मंगलसूत्र चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोपड़ा कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश प्रवक्ता मनोनीत

संवाददाता

हरिद्वार। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी भाई देसाई के निर्देशन में व उत्तर भारत के प्रभारी अमरजीत सिंह की संस्तुति पर उत्तराखंड कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष राजेश रस्तोगी द्वारा पूर्व कृषि उत्पादन मंडी समिति अध्यक्ष, संजय चोपड़ा को उनकी कर्मठ कार्यशैली व लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड कांग्रेस सेवादल के प्रदेश प्रवक्ता पद पर मनोनीत किया गया। मनोनीत पत्र में कांग्रेस सेवा दल द्वारा यह आशा प्रकट की गई है कि संजय चोपड़ा द्वारा कांग्रेस की विचारधारा व कांग्रेस सेवा दल की मजबूती के लिए उत्तराखंड में सच्ची निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

इस अवसर पर नवनियुक्त उत्तराखंड कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश प्रवक्ता संजय चोपड़ा ने कांग्रेस हाईकमान का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वह कांग्रेस सेवा दल की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचा कर सच्ची निष्ठा के साथ एक सच्चे सेवक के रूप में कार्य करते रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय नेतृत्व व प्रदेश अध्यक्ष राजेश रस्तोगी द्वारा जो भरोसा मुझ पर जताया गया है उस विश्वास को हमेशा जनता के समर्पण भाव को दृष्टिगत कार्य करता रहूंगा। कहा कि भारतवर्ष में कांग्रेस सेवा दल का एक अपना मुकाम है पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा कांग्रेस सेवा दल को नई ऊंचाइयों के कीर्तिमान स्थापित करने के लिए महा अभियान चलाकर कार्य किए जाते रहे हैं।

संजय चोपड़ा को कांग्रेस सेवा दल का प्रदेश प्रवक्ता मनोनीत किए जाने पर कांग्रेस पार्टी का आभार प्रकट करते हुए सामाजिक कार्यकर्ताओं में राजेंद्र पाल, मनोज मंडल, जय सिंह बिष्ट, मोहनलाल, राजेश खुराना, कुंवर सिंह मंडवाल, संजय बंसल, राजेश अरोड़ा सहित कई लोग शामिल रहे।

चोरी के ई-रिक्शा सहित चोर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ई-रिक्शा चोरी होने का खुलासा करते हुए पुलिस ने मात्र 24 घंटो की भीतर चोर को चुराये गये ई-रिक्शा सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 28 फरवरी को मोहम्मद हनीफ पुत्र नफीस निवासी इंदिरा बस्ती लाल मंदिर द्वारा कोतवाली ज्वालापुर में तहरीर देकर बताया गया था कि 26 फरवरी को उनका ई-रिक्शा घर के पास से अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को कल देर शाम सूचना मिली कि चोरी करने वाला व्यक्ति उक्त ई-रिक्शा को बेचने के लिए सिडकुल की ओर जा रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बीएचएल बैरियर पर चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को भगत सिंह चौक की तरफ से एक लाल रंग की ई-रिक्शा आती हुई दिखाई दी। जिसे पुलिस ने जब रूकने का इशारा किया तो चालक पुलिस को देख कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। पूछताछ में उसने अपना नाम तनवीर पुत्र अवतार निवासी ग्राम सराय निकट आशियाना होटल बताया। बताया कि मैंने उक्त ई-रिक्शा को 26 फरवरी की सुबह चार बजे के लगभग लाल मंदिर इंदिरा बस्ती से चोरी किया गया है। तथा मैं आज इसे बेचने के लिए जा रहा था। बहरहाल पुलिस ने उसे चोरी की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

आलानकब सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

देहरादून। चोरी की फिराक में घूम रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने कल देर रात आलानकब सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।जानकारी के अनुसार कल देर रात कोतवाली ज्वालापुर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक आला एक आलानकब, अधजली मोमबत्ती व माचिस बरामद की। पूछताछ में उसने अपना नाम हाशिम पुत्र यामीन निवासी राम रहीम कॉलोनी ज्वालापुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

चोरों से सर्विस सेन्टर सहित तीन स्थानों से वाहन चोरी किये

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने सर्विस सेन्टर सहित तीन स्थानों से दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खदरी मौहल्ला निवासी राहुल सिंह सुरियाल ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी एक्टिवा 27 फरवरी को बल्लीवाला स्थित एसएल होण्डा के सर्विस सेन्टर के अन्दर खडी की थी लेकिन जब वह उसको लेने आया तो वह अपने स्थान से गायब थी। वहीं भानियावाला निवासी मौहम्मद जुल्फिकार ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। इसके साथ ही भागीरथी पुरम बंजारावाला ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से राजेश्वर नगर आया था तथा उसने अपनी स्कूटी खुले स्थान पर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद आया तो उसकी स्कूटी गायब थीं पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने कबाडी बाजार के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे सात ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम उमेद सिंह रावत पुत्र कुंवर सिंह निवासी टिहरी हाल निवासी रेसकोर्स बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सात पेटी देशी शराब सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। शराब तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने कल देर शाम सात पेटी देशी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना रीठा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक व्यक्ति अवैध देशी शराब की तस्करी करने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान असेड़ा पुल के समीप से परमानंद भट्ट पुत्र बचीराम भट्ट निवासी ग्राम पिनाना तलाड़ी, हाल निकट असेडा पुल को सात पेटी व नौ बोतलों सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

हर महिला की मेकअप किट में जरूर होने चाहिए ये लिप प्रोडक्ट्स

आजकल मार्केट में होंठों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लिप मास्क और लिप ऑयल जैसे कई तरह के लिप प्रोडक्ट्स मौजूद हैं, लेकिन किसी भी प्रोडक्ट पर यूं ही बिना सोचे-समझे पैसा खर्च करना समझदारी नहीं है। अगर आप अपने होंठों की खूबसूरती बढ़ाना चाहती हैं तो ऐसे में कुछ बेसिक लिप प्रोडक्ट्स का चयन करना आपके लिए बेहतर होगा। आइए आज आपको ऐसे ही कुछ बेसिक लिप प्रोडक्ट्स के बारे में बताते हैं।

लिप स्क्रब

जिस तरह से चेहरे की डेड स्किन सेल्स और रूखी त्वचा को साफ करने के लिए स्क्रब की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह से होंठों पर मौजूद डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए लिप स्क्रब जरूरी है। जब भी आप लिप स्क्रब का इस्तेमाल करें तो इसे हल्के हाथों से अपने होंठों पर मलें। अगर आप चाहें तो कुछ घरेलू सामग्रियों की मदद से खुद घर पर भी लिप स्क्रब बना सकती हैं।

लिप बाम

लिप बाम लगाकर आप अपने होंठों को रूखेपन और फटने से बचा सकती हैं और इनका उपयोग करने पर होंठ खूबसूरत और नरम बने रहते हैं। अपने होंठों को हाइड्रेट रखने और हर समय धूप से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए एक लिप बाम हमेशा अपने पास रखें। बता दें कि आजकल बाजार में कई तरह के लिप बाम मौजूद हैं, लेकिन आप प्राकृतिक सामग्रियों और स्क्रब से युक्त लिप बाम का ही चयन करें।

लिपस्टिक

यह महिलाओं के लिए एक सबसे जरूरी लिप प्रोडक्ट है। बेहतर होगा कि आप अपने स्किन टोन से मैच करती हुई कोई लिपस्टिक शेड हमेशा अपने पास रखें। आप अपने लुक्स में थोड़े बदलाव के लिए या फिर अपने स्टाइल के साथ एक्सपेरिमेंट करने के लिए तरह-तरह की लिपस्टिक शेड्स को भी अपनी मेकअप किट का हिस्सा बना सकती हैं। बस ऐसी लिपस्टिक का चुनाव करें जो आपके होठों को मुलायम भी रखें और चार-पांच घंटे तक टिके भी।

लिप ग्लॉस

होंठों की खूबसूरती बढ़ाने में लिप ग्लॉस भी अहम भूमिका अदा कर सकता है। इसकी मदद से आप अपने होंठों पर एक हल्की चमक हासिल कर सकती हैं और अपने लुक को बेहद खास बना सकती हैं। वैसे इन दिनों टिंटेड लिप बाम भी मार्केट में मौजूद हैं। अगर आप चाहें तो इनका इस्तेमाल भी कर सकती हैं। ये भी लिप ग्लॉस की तरह काम करती हैं और इनसे आपके होंठ हाइड्रेट रहते हैं।

लेदर बैग खरीदने की हैं शौकिन तो पहले जान लें असली नकली का फर्क

महिलाओं के लिए हैंडबैग बहुत जरूरी स्टाइल स्टेटमेंट होता है. बाजार में कई तरह के हैंडबैग मिलते हैं, लेकिन लेदर बैग का क्लासी और स्टाइलिश लुक हर किसी को पसंद आता है. लेदर बैग की डिमांड मार्केट में बहुत अधिक है क्योंकि ये जल्दी खराब नहीं होता है, साथ ही स्टाइल स्टेटमेंट को भी क्लासी लुक देता है. असली लेदर बैग बाजार में महंगे मिलते हैं जो हर किसी के खरीदने की बात नहीं है. हालांकि बाजार में नकली लेदर बैग की खूब बिकते हैं क्योंकि ये स्टाइलिश दिखने के साथ सस्ते दाम पर मिलते हैं.

कई दुकानदार नकली बैग को असली बताकर बेच देते हैं जो कुछ समय बाद खराब हो जाता है. अगर आप लेदर बैग खरीदने की शौकीन हैं तो हम आपको कुछ आसान टिप्स बता रहे हैं जिससे आप असली और नकली लेदर बैग में पहचान कर सकती है. आइए, बिना देर किए जानते हैं इन टिप्स के बारे में.

शायद आप जानते नहीं होंगे असरी लेदर को रगड़ने पर हल्का लाल हो जाता है उस पर धब्बे दिखाई देते हैं. असली लेदर आसानी से मुड़ जाता है जबकि नकली लेदर आपसे मुड़ेगा नहीं और ज्यादा जोर लगाने पर इसके रेशे निकलने लगते है और वो फट जाएगा. असली लेदर में एक एजीब सी गंद आती है जिसके बारे में आप किसी को बता नहीं सकते हैं. जबकि नकली बैग में प्लास्टिक और अन्य कोई गंध आती है. इस तरह से आप लेदर बैग की पहचान कर सकते हैं. कई लोगों को लगता हैं कि असली लेदर बैग में बहुत शाइनिंग होती है. लेकिन असल में ऐसा नहीं होता है. असली लेदर जानवरों के त्वचा से बना होता है जो दिखने में मैट लुक देता है. ये हैंडबैग टाइट होते हैं. जबकि नकली हैंडबैग में प्लास्टिक और अन्य मेटीरिल की मिलावट होती है जिसकी वजह से मुलायम और शाइनी नजर आता है.

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

विटामिन- सी की कमी को प्राकृतिक रूप से दूर करने में सहायक हैं ब्रोकली

शरीर को स्वस्थ रखने में पोषक तत्वों की संतुलित मात्रा अहम भूमिका निभाती है। इन्हीं पोषक तत्वों में से एक है विटामिन-सी। विटामिन- सी एक तरह का एंटी-ऑक्सीडेंट है, जो शरीर को मुक्त कणों से बचाने से लेकर रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में काफी मदद कर सकता है। इसी कारण विटामिन- सी हमारे शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं कि विटामिन- सी की कमी को दूर करने में कौन से खाद्य पदार्थों का सेवन मदद कर सकता है।

ब्रोकली

ब्रोकली फूलगोभी की तरह दिखने वाली हरे रंग की पौष्टिक सब्जी होती है। ब्रोकली में विटामिन- सी के साथ-साथ प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, कैल्शियम, जिंक, पोटेशियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं। १०० ग्राम ब्रोकली में लगभग 91.8 मिलीग्राम विटामिन- सी मौजूद होता है। ब्रोकली के फायदों की बात की जाए तो इसका सेवन कई तरह से शरीर को सुरक्षा प्रदान करने में सहयोगी है।

नींबू

नींबू विटामिन- सी का सबसे बेहतरीन स्त्रोत है, इसलिए अगर आपके शरीर में विटामिन- सी की कमी है तो अपनी डाइट में किसी भी तरह से नींबू को शामिल करें। इससे आपको कई तरह के अन्य स्वास्थ्य लाभ भी मिल सकते हैं। उदाहरण के लिए स्कर्वी से सुरक्षा (विटामिन- सी की कमी से होने वाली समस्या) और रक्तचाप का नियंत्रित रहना आदि। बता दें कि १०० ग्राम नींबू में लगभग 41.4 मिलीग्राम विटामिन- सी पाय जाता है।

थाइम

थाइम एक तरह की हर्ब है, जिसका इस्तेमाल न सिर्फ खाने में बल्कि ब्लड प्रेशर को बेहतर तरीके से संचालित करने, रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने, बेहतर ब्लड सर्कुलेशन और हृदय को स्वस्थ रखने के लिए किया जा सकता है। इसका मुख्य कारण यह है कि थाइम विटामिन- सी समेत कैल्शियम, आयरन, फाइबर और मैग्नीशियम जैसे जरूरी पोषक तत्वों से समृद्ध होती है। बता दें कि १०० ग्राम थाइम में लगभग १६०.1 मिलीग्राम विटामिन- सी मौजूद होता है।

स्ट्रॉबेरी

स्ट्रॉबेरी विटामिन- सी के साथ-साथ एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भी समृद्ध होती है, जो आपको कई प्रकार के संक्रमण और बीमारियों से बचा सकते हैं। इसी के साथ स्ट्रॉबेरी का सेवन शरीर को कैंसर, स्ट्रोक, हृदय रोग और मधुमेह जैसी कई गंभीर बीमारियों से बचाकर रखने में भी सक्षम है। अगर आप अपनी डाइट में १०० ग्राम स्ट्रॉबेरी शामिल करते हैं तो इससे आपको लगभग 58.8 मिलीग्राम विटामिन- सी मिल सकता है।

वैसे तो मेडिकल शॉप पर आपको कई तरह विटामिन- सी के सप्लीमेंट्स मिल जाएंगे, लेकिन बिना डॉक्टरी की सलाह के उनका सेवन न करें क्योंकि डॉक्टर आपकी उम्र और शारीरिक क्षमता को ध्यान में रखते हुए आपको सही सप्लीमेंट्स देंगे, जो आपके लिए प्रभावी होंगे।

शब्द सामर्थ्य -140

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

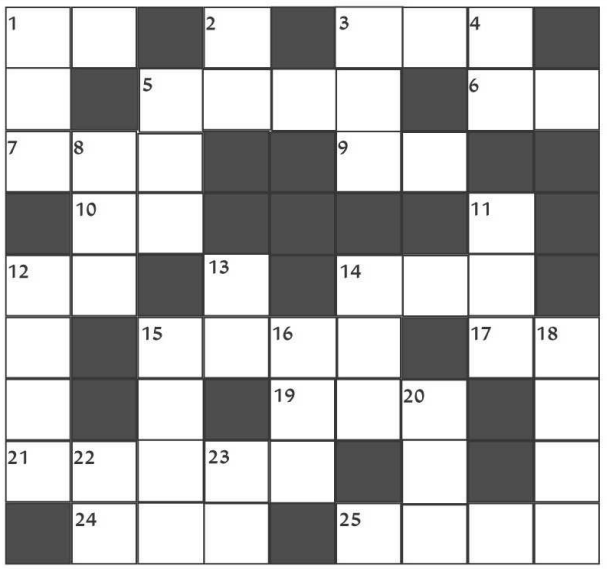

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 139 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

द स्माइल मैन है सरथ कुमार की 150वीं फिल्म का टाइटल

श्याम और प्रवीण के निर्देशन में बनने वाली अभिनेता सरथ कुमार की 150वीं फिल्म का नाम द स्माइल मैन रखा गया है। फिल्म के पहले लुक की तस्वीर पोस्ट करने वाले अभिनेता सरथ कुमार ने ट्विटर पर कहा, मेरी 150वीं फिल्म के लिए मैग्नम मूवीज के साथ जुड़कर खुशी हो रही है, जिसका निर्देशन श्याम प्रवीण ने किया है, जिसका शीर्षक द स्माइल मैन है। टीम को शुभकामनाएं।

फिल्म में श्री सरवनन फोटोग्राफी के निर्देशक होंगे, जबकि संगीत गावस्कर अविनाश का होगा। फिल्म के लिए पटकथा और संवाद आनंद ने लिखे हैं, जिसका संपादन सैन लोकेश करेंगे। फिल्म की यूनिट के करीबी सूत्रों का कहना है कि फिल्म में सरथ कुमार अल्जाइमर के साथ एक पुलिस वाले की भूमिका निभा रहे हैं। सरथ कुमार के अलावा, फिल्म में अभिनेत्री सिजा रोज भी होंगी, जिन्होंने पहले दुलकर सलमान की उस्ताद होटल में छाप छोड़ी थी और बाद में उन्हें उड़ान पिराप्पे जैसी तमिल फिल्मों में देखा गया था। सूत्रों ने कहा कि थ्रिलर पर काम जल्द ही शुरू होने वाला है और कॉमेडियन जॉर्ज मैरीन भी फिल्म का हिस्सा होंगे।

परेश रावल के साथ अपनी आने वाली फिल्म को लेकर उत्साहित हैं मानसी पारेख

अभिनेत्री मानसी पारेख आगामी फिल्म डियर फादर में दिग्गज स्टार परेश रावल के साथ स्क्रीन साझा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मानसी ने खुलासा किया कि परेशजी ने मुझे कुछ समय पहले इस भूमिका की पेशकश की थी, लेकिन मैं हां नहीं कर सकी थी, क्योंकि मैं उस समय पहले से ही एक टेलीविजन शो और एक गुजराती नाटक कर रही थी। मैं तारीखों को लेकर परेशान थी। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, कुछ वर्षों के बाद, जब उन्होंने मुझे यह कहते हुए वापस बुलाया कि फिल्म आखिरकार बन रही है और मुझसे पूछा कि क्या मैं इसका हिस्सा बनना चाहती हूं, तो मैंने तुरंत हां कह दिया। मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी। मेरे लिए यह एक सपना सच होने जैसा है। यह एक बहुत ही गहन फिल्म है। डियर फादर 4 मार्च को रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है।

रिलीज हुआ 'बच्चन पांडे' का पहला गाना 'मार खाएगा'

अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'बच्चन पांडे' इन दिनों सुर्ख़ियों में है। आपको बता दें कि यह फिल्म मोस्ट अवेटेड फिल्म की लिस्ट में शामिल है और बच्चन पांडे में अक्षय कुमार के लुक को लेकर फैंस में काफी क्रेज देखने को मिल रहा है। इन सभी के बीच फिल्म का पहला गाना सामने आया है। जी हाँ, 'बच्चन पांडे' का पहला गाना 'मार खाएगा' को रिलीज कर दिया गया है और आप देख सकते हैं इस गाने में अक्षय कुमार इंटेंस लुक के साथ दिखाई दे रहे हैं। इस गाने में अक्षय कुमार काफी उग्र किस्म के लग रहे हैं, और गाने के बोल में भी काफी मारधाड़ की बातें कही गई हैं। आप देख सकते हैं इस गाने में अक्षय एक्शन करते भी दिख रहे हैं। वहीं अक्षय का स्वैग गाने में फैंस को सबसे ज्यादा पसंद आया है और इसी के चलते 'मार खाएगा' गाने को धमाकेदार रिएक्शन मिल रहे हैं। आप सभी को बता दें कि फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित अक्षय कुमार स्टारर 'बच्चन पांडे' में ढेर सारा एक्शन है और इसी के साथ कॉमेडी भी है, ऐसे में फिल्म देखना मजेदार होने वाला है। आपको बता दें कि यह फिल्म 18 मार्च, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा कृति सेनन, अरशद वारसी, पंकज त्रिपाठी और जैकलीन फर्नांडीज भी हैं।

ऑफ शोल्डर ड्रेस पहन और भी हसीन हुई प्रिया प्रकाश वारियर

आंखों से कातिलाना इशारा करने वाली एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर की लेटेस्ट तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. इन तस्वीरों में एक्ट्रेस सुपर हॉट लुक में बोल्ड पोज देती नजर आ रही हैं. प्रिया ने ये तस्वीरें अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं. जिन्हें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने दिल वाला इमोजी भी बनाया. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं और जमकर तारीफ कर रहे हैं. इन लेटेस्ट तस्वीरों में प्रिया प्रकाश वारियर ऑफ शोल्डर पिंक कलर का वनपीस पहने हुए हैं. जिसमें वो काफी हॉट लग रही हैं. अपने लुक को पूरा करने के लिए एक्ट्रेस गले में पतला सा नेकलेस पहने हुई हैं. इसके साथ ही ओपन हेयर के साथ लाइट मेकअप किया हुआ है. प्रिया प्रकाश वारियर साल 2019 में अपनी फिल्म ओरू अदार लव का ट्रेलर आउट होने के बाद सुर्खियों में आई थीं. ट्रेलर के एक सीन में आंख मारकर एक्ट्रेस ने सबको अपना दीवाना बना दिया था. जिसके बाद वो नेशनल क्रश बनकर भी उभरीं.

प्रिया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. आए दिन वो कोई ना कोई वीडियो या फिर तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं. उनके फैंस भी लगातार एक्ट्रेस की तारीफ करते रहते हैं. वहीं प्रिया भी अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं.

आगामी एंथोलॉजी फिल्म में अनुभव सिन्हा, सुधीर मिश्रा के साथ काम करेंगी तापसी पन्नू

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने फिल्म निर्माता अनुभव सिन्हा के साथ एक लघु फिल्म के लिए फिर से जुड़ने की बात की, जो उनकी एंथोलॉजी फिल्म का हिस्सा है। अनुभव सिन्हा फिल्म निर्माता सुधीर मिश्रा और हंसल मेहता के साथ एक एंथोलॉजी फिल्म में काम करेंगे। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार की टी-सीरीज और सिन्हा के प्रोडक्शन हाउस बनारस मीडियावर्क्स द्वारा किया जाएगा।

तापसी ने थप्पड़ और मुल्क के बाद फिर से अनुभव सिन्हा के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया और सुधीर मिश्रा द्वारा निर्देशित लघु फिल्म की अवधारणा का भी खुलासा किया। फिल्म की पृष्ठभूमि महामारी पर बेल्ड है।

तापसी कहती हैं कि कहानी अनूठी है और पहले कभी नहीं की गई है, यह एक सामाजिक राजनीतिक नाटक है। मैं सुधीर सर जैसे शानदार फिल्म निर्माता के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

उन्होंने आगे कहा कि अनुभव सर और भूषण सर के साथ फिर से काम करना घर वापसी जैसा है।

अनुभव सिन्हा ने फिल्म की कहानी के बारे में बताया जो स्तरित है और मानवीय रिश्तों पर केंद्रित है। वह फिर से तापसी के साथ काम करके खुश हैं।

निर्देशक सुधीर मिश्रा अपनी लघु फिल्म पर प्रकाश डालते हैं और खुलासा करते हैं कि यह युवा के विचार के बारे में एक फिल्म है। एक पीढ़ी अगली पीढ़ी को अपने विचार कैसे सौंपती है। व्यक्तिगत रूप से, यह मेरे लिए उन कहानियों में से एक है जो एक अमिट छाप छोड़ती है।

ऑनलाइन लीक हुई आलिया भट्ट की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी

संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में आलिया भट्ट ने वेश्या गंगूबाई का किरदार निभाया है। फिल्म में अभिनय के लिए आलिया की खूब तारीफ हो रही है। उम्मीद है कि फिल्म के जरिए बॉक्स ऑफिस की खोई हुई रौनक वापस आएगी। इसी बीच मेकर्स को एक बड़ा झटका लगा है। आलिया की गंगूबाई काठियावाड़ी कई प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन लीक हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी तमिलरॉकर्स पर ऑनलाइन लीक हो गई है। खबरों की मानें तो फिल्म के फुल एचडी वर्जन को मुफ्त में डाउनलोड किया जा सकता है। फिल्म लीक होने के कारण इसकी कमाई पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। हालांकि, मेकर्स की तरफ इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पहले भी कई फिल्में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर लीक हो चुकी हैं।

आजकल थिएटर और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने वाली फिल्में आमतौर पर लीक हो जाती हैं। मेकर्स ने अभी तक इसका कोई तोड़ नहीं निकाला है। इससे पहले दीपिका पादुकोण की फिल्म गहराइयां भी रिलीज होते ही लीक हो गई थी। अक्षय कुमार की अतरंगी रे और सूर्यवंशी जैसी फिल्मों को भी पायरेसी का सामना करना पड़ा था। पिछले साल साउथ स्टार सूर्या की फिल्म जय भीम भी पाइरेसी साइटों पर ऑनलाइन लीक हुई थी।

पायरेसी करने वाली साइटों पर कार्रवाई भी होती आई है, बावजूद इसके कई साइटें इसे बढ़ावा देती हैं। करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाली फिल्मों को ऑनलाइन लीक किए जाने से निर्माताओं को अच्छा-खास नुकसान झेलना पड़ता है। 2018 में मद्रास हाईकोर्ट ने 12,000 वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगाया था। इसमें अकेले 2,000 वेबसाइट तमिलरॉकर्स की थीं। प्रतिबंधित किए जाने के बाद भी वे हर बार एक नए प्रॉक्सी सर्वर के साथ लौट आती हैं।

गंगूबाई काठियावाड़ी में अजय देवगन अहम भूमिका में दिखे हैं। फिल्म का निर्देशन भंसाली ने किया है। फिल्म की कहानी हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई पर आधारित है। जैदी ने अपनी इस किताब में गुजरात के काठियावाड़ी की एक लड़की गंगा हरजीवनदास की जिंदगी के कई परतों को खोला है। विजय राज, शांतनु महेश्वरी और सीमा पाहवा भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। अब देखना है कि फिल्म की ओपनिंग कैसी रहती है।

जॉन अब्राहम की फिल्म तेहरान अगले साल गणतंत्र दिवस पर आएगी

जॉन अब्राहम अपनी एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने पोखरण और बाटला हाउस जैसी दमदार फिल्मों में काम किया है। वह एक साथ कई प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसी बीच इस अभिनेता ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। जॉन ने सोशल मीडिया पर अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म तेहरान की घोषणा की है। यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जॉन ने अपने ट्विटर हैंडल पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया है। साथ ही उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, गणतंत्र दिवस 2023 के लिए तैयार हो जाइए। अपनी अगली फिल्म तेहरान की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं। अरुण गोपालन द्वारा फिल्म का निर्देशन किया जाएगा। फिल्म को दिनेश विजान द्वारा प्रोड्यूस किया जाएगा। इस फिल्म को रितेश शाह और आशीष प्रकाश वर्मा ने लिखा है। फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित होगी।

मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले फिल्म तेहरान का निर्माण होगा। मैडॉक फिल्म्स ने बॉलीवुड में कई यादगार और ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाई हैं। इस बैनर तले ही बदलापुर, स्त्री और बाला जैसी फिल्में आई हैं। इन फिल्मों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। पिछले साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म मिमी का निर्माण भी दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स ने किया था। फिल्म के लिए कृति सैनन ने दुनियाभर में वाहवाही बटोरी थी।

जॉन ने पहली बार तेहरान के लिए दिनेश के साथ हाथ मिलाया है। जॉन और दिनेश ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि तेहरान में हुई किस सच्ची घटना पर यह फिल्म आधारित है। जॉन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे, लेकिन फिलहाल फीमेल लीड कलाकार की घोषणा नहीं की गई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि कोई बड़ी अभिनेत्री फिल्म में जॉन की हिरोइन बनेगी। उम्मीद है कि जल्द इस संबंध में आधिकारिक ऐलान किया जाएगा।

जॉन के खाते में एक से बढ़कर एक कई फिल्में हैं। वह फिल्म अटैक में जैकलीन फर्नांडिस और रकुल प्रीत सिंह के साथ नजर आएंगे। वह शाहरुख अभिनीत फिल्म पठान का भी अहम हिस्सा हैं। इसमें जॉन विलेन की भूमिका में नजर आएंगे। वह भूषण कुमार की एक फिल्म से बतौर निर्माता जुड़े हुए हैं। हिट मलयालम फिल्म अय्यप्पनम कोशियुम की हिन्दी रीमेक में भी जॉन दिखेंगे। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा था।

हालिया रिलीज हुई फिल्मों में अभिनेता जॉन अपने अभिनय की छाप नहीं छोड़ पाए हैं। पिछले साल आई उनकी फिल्में सत्यमेव जयते 2 और मुंबई सागा फ्लॉप रही हैं।

कभी भी और कहीं भी बैंकिंग सुविधाः ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलते डाकघर

गौतम भट्टाचार्य

वित्त मंत्री ने इस वर्ष के बजट भाषण में कहा था कि देश के 1,5०,००० डाकघर कोर बैंकिंग प्रणाली से जुड़ जायेंगे, जो नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग व एटीएम के माध्यम से बैंक-खातों तक पहुंचने तथा वित्तीय समावेश की सुविधा प्रदान करेंगे एवं डाकघर खातों और बैंक खातों के बीच धन अंतरण को संभव बनायेंगे। डाकघर खातों और बैंक खातों के बीच अंतर-संचालन की घोषणा, विशेष रूप से ग्रामीण भारत में युवा पीढ़ी की लंबे समय से प्रतीक्षित आकांक्षा 'बैंकिंग सुविधा, कभी भी कहीं भी' के लिए आशा की नयी किरण के समान है। कभी भी, कहीं भी बैंकिंग; खाताधारक को देश में कहीं से भी बैंक-कार्य करने की सुविधा प्रदान करती है, चाहे उसका डाकघर या उसकी बैंक-शाखा किसी भी जगह पर स्थित हो और उस कार्यालय का कार्य समय, चाहे कुछ भी हो।

शहरी भारत कई सुविधाओं, जैसे एटीएम, धनराशि का तत्काल अंतरण, सममूल्य पर चेक आदि के माध्यम से इस अवधारणा से अच्छी तरह परिचित है। लगभग डेढ़ दशक पहले, कभी भी, कहीं भी बैंकिंग पर आधारित कार्यशैली को भारत के अधिकांश पीएसयू बैंकों द्वारा लागू किया गया था। हम एक कदम और आगे बढ़ने में सफल हुए, जब आरबीआई द्वारा स्थापित भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने सभी खुदरा लेन-देन के लिए एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) विकसित किया। शहरी भारत के ग्राहक अब टैक्सी-चालक को भुगतान कर सकते हैं, किराने की दुकान में अपने बकाये की रकम जमा कर सकते हैं, धोबी को सीधे अपने बैंक-खातों से भुगतान कर सकते हैं, शर्त केवल यह है कि दोनों के पास स्मार्टफोन हों और उनके बैंक खाते फोन से जुड़े हों। हालांकि, इस दौरान ग्रामीण भारत में, जहाँ ज्यादातर बैंक-कार्य डाकघर खातों के माध्यम से किये जाते हैं, बैंकिंग अपने पारंपरिक तरीकों से चलती रही।

भारत में प्रमुख सार्वजनिक बैंकों द्वारा सीबीएस शुरू करने के लगभग एक दशक बाद, यानि 2०14 के आसपास, करीब 25,००० विभागीय डाकघरों में कोर बैंकिंग प्रणाली (सीबीएस) पर काम की शुरुआत हुई। 2०18 तक, लगभग 85 प्रतिशत डाकघरों को सीबीएस के तहत लाया गया, लेकिन शेष डाकघरों में इंटरनेट की सुविधा नहीं थी। उस वर्ष सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य शुरू हुआ था- 1,3०,००० से अधिक ग्रामीण शाखा डाकघरों को सीबीएस डाकघरों के साथ एकीकृत करना। ग्रामीण शाखा कार्यालय दिन में चार से पांच घंटे खुले रहते हैं और प्रखंड या तालुका मुख्यालय में स्थित निकटतम विभागीय कार्यालयों के विस्तार काउंटर की तरह काम करते हैं। इन कार्यालयों का संचालन ग्रामीण डाक सेवकों (जीडीएस) द्वारा किया जाता है। इन शाखा कार्यालयों को इंटरनेट के माध्यम से रिमोट सर्वर से जोड़ने के लिए सिम आधारित हथेली के आकार के छोटे (हैंडहेल्ड) उपकरण प्रदान किए गए थे। संचालन कार्य के लिए लगभग 2 लाख ग्रामीण डाक सेवकों को प्रशिक्षित किया गया।

2०21 तक एकीकृत कोर बैंकिंग प्रणाली से लगभग 93 प्रतिशत डाक नेटवर्क जुड़ गया। इससे एमजी-नरेगा के भुगतान, डाक जीवन बीमा (पीएलआई) और ग्रामीण पीएलआई आदि के प्रीमियम के संग्रह सहित विभिन्न सामाजिक योजनाओं के लाभार्थियों के खातों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) की सुविधा मिली। ग्रामीण डाक सेवकों ने ग्रामीण शाखा डाकघरों के खाताधारकों के बीच डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने में पिछले तीन वर्षों में ऐसे कार्य किये हैं, जिन्हें चमत्कार से कम नहीं कहा जा सकता है। भारतीय डाक की वार्षिक रिपोर्ट (2०2०-21) के अनुसार, कुल 53,584 करोड़ रुपये के 43 करोड़ ऑनलाइन लेन-देन ग्रामीण शाखा डाकघरों में इन हैंडहेल्ड उपकरणों के माध्यम से पूरे किये गए।

हालांकि इसके प्रभाव का कोई औपचारिक अध्ययन नहीं किया गया है, लेकिन मोटे तौर पर ऐसा लगता है कि देश की कोर बैंकिंग प्रणाली के साथ 1,3०,००० ग्रामीण शाखा डाकघरों का एकीकरण; ग्रामीण भारत पर वैसा ही असर डालेगा, जैसा 198० के दशक के मध्य में कम्प्यूटरीकृत रेलवे आरक्षण बुकिंग की सुविधा से शहरी भारत पर पड़ा था। लगभग चार दशक पहले शहरों और कस्बों के लोगों ने कम्प्यूटरीकृत आरक्षण प्रणाली की बहुत सराहना की थी। ग्रामीण डाक सेवकों के पास ज्ञान और विश्वसनीयता है, जिसकी सहायता से वे ग्रामीण लोगों को डिजिटल लेन-देन के लिए बढ़ावा दे सकते हैं।

हालांकि, पहली बार में अंडमान और निकोबार के दूरदराज के द्वीपों एवं हिमालय की अधिक ऊंचाई पर स्थित कई डाकघरों को सीबीएस में एकीकृत नहीं किया जा सका, क्योंकि इंटरनेट की स्तरीय सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इस स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। अंडमान और निकोबार के विभिन्न द्वीपों को हाल ही में चेन्नई के साथ ऑप्टिकल फाइबर केबल के माध्यम से जोड़ा गया है, जिसे समुद्र तल पर बिछाया गया है। इसने दूरदराज के द्वीपों में स्थित कार्यालयों को सीबीएस के साथ एकीकृत करने की सुविधा प्रदान की है। पिछले कुछ वर्षों की इन सभी पहलों के आधार पर सरकार ने घोषणा करते हुए कहा है कि इस वर्ष के अंत तक सभी डाकघरों का कोर बैंकिंग प्रणाली के साथ एकीकरण पूरा कर लिया जाएगा।

पहले डाकघर खाताधारक अपने खाते से किसी बैंक खाते में और किसी बैंक खाते से डाकघर खाते में धनराशि अंतरण नहीं कर सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने अब डाकघर बचत योजना खातों के लिए एनईएफटी/आरटीजीएस जैसी अंतर-बैंक लेन-देन सुविधाओं की अनुमति दी है। यह डाकघर खातों और बैंक खातों के बीच धन के ऑनलाइन अंतरण को सक्षम बनाएगा। यह अंतर-संचालन, बैंक के खाताधारक को उसके पीपीएफ खाते या डाकघर के सुकन्या समृद्धि खाते (एसएसए) में धनराशि अंतरण की सुविधा प्रदान करेगा।

छोटे शहरों और ग्रामीण भारत में ग्राहकों की उम्मीदें तेजी से बदल रही हैं। डाकघर बैंकिंग प्रणाली को आधुनिक पीढ़ी की अपेक्षाओं के अनुरूप आधुनिक बनना होगा। डाकघर खाते के ग्राहक के पास निकटतम विभागीय डाकघर जाने, बचत प्रमाणपत्र खाते खोलने/बंद करने या पीपीएफ, एमआईएस या वरिष्ठ नागरिक खाता खोलने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। एक ग्रामीण के लिए इसका मतलब था- एक दिन का नुकसान और परिवहन खर्च। आज भी डाकघर में बचत खाता खुलवाने पर ग्राहक को एटीएम कार्ड या चेकबुक के लिए अनुरोध करना होता है। इस तरह की जरूरी सुविधाएं, खाताधारक को शायद ही कभी अपने-आप दी जातीं हैं। डाक विभाग द्वारा सममूल्य-चेक की सुविधा को भी लागू करने की आवश्यकता है। आशा की जाती है कि डाकघर की उन्नत नेट बैंकिंग/मोबाइल बैंकिंग प्रणाली; किसी भी समय, कहीं से भी बैंकिंग के कार्यान्वयन से जुड़ी सभी कमियों को दूर करेगी और इस लक्ष्य को सही अर्थों में हासिल करेगी।

लेखक पूर्व सिविल अधिकारी, जो सेवानिवृत्ति के समय अपर सचिव, भारत सरकार की श्रेणी में थे। भट्टाचार्य ने प्रेसीडेंसी कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय और भारतीय सांख्यिकी संस्थान में अर्थशास्त्र का अध्ययन किया और ईपीएफएल, लूसाने और अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी अकादमी, वियना में पेशेवर प्रशिक्षण प्राप्त किया। सरकार की उच्च सिविल सेवा में शामिल होने से पहले, वे दो विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र के स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाते थे।

आवारा पशुओं का मुद्दा

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में किसानों व आम लोगों की मुसीबतों का सबब बने आवारा पशुओं का मुद्दा अब भाजपा की टेंशन की वजह बनता जा रहा है। सपा व कांग्रेस ने इस मुद्दे को भांपते हुए जमकर चुनाव सभाओं में उछाला। मुद्दे की गंभीरता को भाजपा ने देर से समझा। तीसरे चरण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कहना पड़ा कि मेरे शब्द लिखकर रखिये जो पशु दूध नहीं देता, उसके गोबर से भी आय हो, ऐसी व्यवस्था आपके सामने खड़ी कर दूंगा। दस मार्च के बाद हम ऐसी व्यवस्था लाएंगे कि लोगों के लिये ये आवारा पशु लाभ का जरिया बनेंगे। उन्होंने कहा कि बनारस में बन रहे बायो सीएनजी प्लांट के लिये गोबर की खरीद शुरू होगी। हम इस समस्या का ऐसा समाधान निकालेंगे कि लोग घर लाकर गोवंश को बांधेंगे। राजनीतिक पंडित कह रहे हैं कि जनता के मूड को भांपने वाले प्रधानमंत्री यदि समय रहते यह बाण चला देते तो ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा को इसका लाभ मिलता। बहरहाल, उ.प्र. के चुनाव में आवारा पशु अब बड़ा मुद्दा है। विपक्ष हमलावर है और सत्तारूढ़ दल बचाव की मुद्रा में है। यही वजह है कि पश्चिम उ.प्र. में चले पलायन, धर्मांतरण, जिन्ना-गन्ना व पाकिस्तान के मुद्दे अवध व पूर्वांचल पहुंचते-पहुंचते छुट्टे जानवरों पर केंद्रित हो गये हैं। दरअसल, ये आवारा जानवर, जिन्हें स्थानीय भाषा में छुट्टा जानवर कहा जाता है, सड़क से लेकर खेत तक मुसीबत का सबब बने हुए हैं, जिसे सपा सरकार की नाकामी की तरह पेश कर रही है। बाकायदा अखिलेश यादव ने कहा कि यदि उनकी सरकार आई तो आवारा पशुओं की वजह से मरने वाले लोगों को पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जायेगा। प्रतिरोध के चलते बाराबंकी में सीएम की एक सभा में छुट्टे जानवरों को छोड़कर विरोध भी जताने की बात सामने आई, जिससे स्थिति की गंभीरता का अहसास होता है। दरअसल, आवारा पशुओं की समस्या नई नहीं है, लेकिन 2०17 में भाजपा सरकार बनने के बाद इस समस्या में तेजी से इजाफा हुआ। वैसे तो गोवंश की रक्षा भाजपा का प्रमुख एजेंडा रहा है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गोवंश प्रेम जगजाहिर है। सरकार बनने के बाद राज्य में अवैध बूचड़खानों पर रोक लगाई गई, जिससे अवैध रूप से गायों को काटना रुका। यूं तो सरकार ने गोवंश की सुरक्षा, स्वास्थ्य व देखभाल के कई बड़े फैसले लिये। बड़े पैमाने पर गोशालाओं का बड़ी संख्या में निर्माण किया गया। वर्ष 2०19-2० में गोशालाओं के लिये 248 करोड़ का बजट आवंटित हुआ। राज्य में 57० गोशालाएं पंजीकृत हैं। संरक्षण की कान्हा उपवन योजना शुरू की गई। लेकिन संख्या को देखते हुए बजट पर्याप्त न होने की बात कही जा रही है। दरअसल, जब गाय दूध देना बंद कर देती है तो लोग उसे खुला छोड़ देते हैं। योगी सरकार की सख्ती के कारण उसकी बिक्री बाजारों में नहीं हो पा रही है। (आरएनएस)

डिजिटल पूंजी को कानूनी वैधता का इंतजार

पवन दुग्गल

आज की तारीख तक, भारत के पास मुद्रा के तौर पर केवल कागजी भारतीय रुपया रहा है। पूंजी के डिजिटल प्रारूप पर बढ़ती निर्भरता और इस 'डिजिटल वाहन' पर दिनों-दिन भारतीयों को सवार होते देख सरकार ने डिजिटल करेंसी की महत्ता को पहचाना है। यही वजह है कि वित्तमंत्री ने केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) लाने की बात कही है।

सीबीडीसी क्रमिक विकास सरीखी प्रक्रिया है। आम आदमी की भाषा में कहें तो क्रिप्टो करेंसी की आमद ने विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों को निजी क्रिप्टो करेंसी का आधिकारिक विकल्प देने के बारे में सोचने को उद्धृत किया है। सीबीडीसी को आमतौर पर वह डिजिटल टोकन माना जा रहा है जिसे देश का केंद्रीय बैंक जारी करेगा।

जहां तक मुल्कों की आम प्रचलित नकदी की बात है, ज्यादातर देशों के केंद्रीय बैंक डिजिटल टोकन को बढ़ावा देने के हामी हैं। जैसे कि अटलांटिक काउंसिल ने कहा है कि सीबीडीटी वह आभासीय मुद्रा है जिसे मुल्क का केंद्रीय बैंक जारी कर मान्यता देगा। सीबीडीटी का फायदा यह होगा कि इसके धारक को मूल्य संबंधी गारंटी मुल्क विशेष के केंद्रीय बैंक की होगी। इस संदर्भ में, बजट भाषण में वर्ष 2०22-23 से रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा ब्लॉक चेन और अन्य तकनीकों पर आधारित डिजिटल रुपया जारी करने का वर्णन है। बजट भाषण ने नए युग का सूत्रपात किया है। पहली मर्तबा डिजिटल पूंजी पर कर-योजना का प्रावधान किया गया है। भारत में पिछले कुछ समय से क्रिप्टो करेंसी और क्रिप्टो-पूंजी के प्रयोग में भारी उछाल देखने को मिला है। हालांकि, इनको नियंत्रित करने हेतु अलग से विशेष कानूनी तंत्र नदारद है। गौरतलब और रोचक यह कि फिर भी ज्यादा-से-ज्यादा भारतीय आभासीय पूंजी में निवेश कर रहे हैं और इसके लेन-देन की मात्रा और आवर्ती में निरंतर बढ़ोतरी होती जा रही है। बजटीय संबोधन में आगे आभासीय डिजिटल पूंजी पर लगने वाले टैक्स की बाबत अलग-अलग प्रावधानों का जिक्र किया गया है। इस कार्ययोजना के विविध मुख्य अवयव हैं जिनमें प्रथम, आभासीय मुद्रा या पूंजी के लेन-देन से प्राप्त आमदनी पर 3० फीसदी कर चुकाना होगा। दूसरा, डिजिटल पूंजी से हुई आमदनी की गणना करते वक्त इसकी खरीद लागत गिने जाने के अलावा अन्य खर्च या भत्तों की कटौती किए जाने का प्रावधान नहीं है। तीसरा, डिजिटल करेंसी या पूंजी के व्यापार में हुए घाटे को व्यक्ति के अन्य स्रोतों से हुए मुनाफे से घटाकर पेश करना वर्जित है। चौथा, इस योजना के तहत एक मात्रा से ज्यादा डिजिटल करेंसी या पूंजी के लेन-देन पर 1 फीसदी दर से टीडीएस (स्रोत कर) लगेगा। इन प्रस्तावों से कुल मिलाकर यह प्रभाव बनता है कि सरकार डिजिटल पूंजी को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था में शामिल करके कराधान का दायरा बढ़ाना चाहती है। यही वह मंतव्य है जो इस बजट भाषण में झलकता है।

यहां गौरतलब है कि चूंकि भारत के पास डिजिटल पूंजी को लेकर अलग से कोई कानूनी तंत्र अब तक नहीं है, तो इसकी अनुपस्थिति में आभासीय (वर्चुअल) लेन-देन पर 3० फीसदी कर लगाने का प्रावधान आम आदमी की समझ में एक तरह से डिजिटल पूंजी को वैधता और मान्यता देने वाला कदम है। हालांकि यह विषय-वस्तु और क्षेत्र अभी अस्पष्ट है। जो लोग डिजिटल पूंजी के व्यापार में लिप्त हैं उनके धन की सुरक्षा के लिए जरूरी है कि एक यथेष्ट कानूनी तंत्र बने, जो कि बजट में डिजिटल पूंजी पर टैक्स-प्रस्तावों को लेकर की गई घोषणा के अनुरूप भी होगा।

ऐसा कोई कदम भारत में क्रिप्टो-आर्थिकी की उन्नति सुदृढ़ करने में अधिक स्पष्टता और सहायता प्रदान करेगा। भारतीय डिजिटल रुपये को एक न्यूनतम कानूनी जामा पहनाने की जरूरत है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि डिजिटल रुपये वाला सिद्धांत वर्तमान दायरे में नहीं आता। लिहाजा इसको सूचना तकनीक कानून-2००० और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया कानून-1935 की परिधि में लाने हेतु दोनों में यथेष्ट संशोधनों की जरूरत है।

महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर गढ़ी कैंट श्री टपकेश्वर महादेव मंदिर में कांग्रेस महानगर अध्यक्ष लाल चंद शर्मा को सम्मानित करते महंत कृष्णागिरी महाराज।

सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का तमसा नदी में किया गया विसर्जन

संवाददाता

देहरादून। विश्व शांति, देश के चौमुखी विकास एवं उत्तराखंड की सुख समृद्धि की मंगल कामना के साथ माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव गढ़ी कैंट देहरादून में आयोजित विशेष शिवरात्रि पूजा अनुष्ठान में निर्मित सवा लाख पार्थिव शिवलिंगो का विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर आज तमसा नदी में विसर्जन किया गया है। इस अवसर पर आचार्य बिपिन जोशी, डा. मथुरा दत्त जोशी, भागवती जोशी, रमेश जोशी, विमला जोशी, हर्षपती रयाल, दीपेंद्र नौटियाल, गणेश बिजलवान आदि का भी विशेष सहयोग रहा।

आप प्रवक्ता ने किया स्ट्रांग रुम का निरीक्षण

देहरादून (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रविन्द्र आनंद ने महाराणा प्रताप कालेज पहुंच स्टांग रूम का जायजा लेकर सुरक्षाकर्मियों से बात कीं। आज यहां आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सिंह आनंद ने महाराणा प्रताप स्पोर्ट कॉलेज पहुंच कर सीसी टीवी के माध्यम से स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया एवं उपस्थित निरीक्षकों एवं सुरक्षाकर्मियों से बात कर स्थिति का जायजा लिया। रविंद्र सिंह आनंद ने कहा कि अब जबकि मतगणना को कुछ ही दिन रह गए हैं तो यह जरूरी बन जाता है कि स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर मौजूदा स्थिति का जायजा लिया जाए। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी के माध्यम से सभी कमरों का निरीक्षण किया गया वहां पर मौजूद स्टाफ ने उनकी पूरी मदद की और सहयोग किया। आनंद ने कहा कि उन्हें यह बताते हुए कोई गुरेज नहीं की यहां पर प्रशासन की ओर से व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखी गई है और किसी को भी कोई शिकायत का मौका नहीं दिया जा रहा है।

यूक्रेन से भारतीयों के सकुशल रिहाई व विश्व युद्ध टालने के लिए की विशेष प्रार्थना

देहरादून (कासं)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव गढ़ी कैंट देहरादून में आयोजित विशेष शिवरात्रि पूजा अनुष्ठान में १.२५ लाख पार्थिव शिवलिंगों के निर्माण का कार्य महाशिवरात्रि पर आज भी जारी रहा हजारों शिवभक्तों ने पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण किया। इस अवसर पर मन्दिर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में विश्व शांति के लिए प्रार्थना करते हुए विश्व युद्ध टालने का अनुरोध भगवान शिव से किया गया साथ ही यूक्रेन में और फसे भारतीयों के सकुशल वापसी के लिए विशेष प्रार्थना की गई, कल ५ दिवसीय विशेष पूजा अनुष्ठान पूर्ण होगा। आज शाम तक सवा लाख शिवलिंग बन जायेंगे फिर उनका सामुहिक विशेष पूजन किया जायेगा। आज के कार्यक्रम में डा०मथुरा दत्त जोशी, भगवती जोशी, पंडित शुभम शुक्ला, रमेश जोशी, उत्तम सिंह रावत, हर्षपति रयाल, दीपेंद्र नौटियाल, गणेश विजलवान, ऋषिपाल, नीरज डोभाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

बरेली के दो तस्कर लाखों की स्मैक सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान क्रेक डाउन के तहत पुलिस को आज दोपहर खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने बरेली के नशा सिंडीकेट के दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से भारी मात्रा में लाखों की स्मैक बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार आज दोपहर थाना बनबसा व एडीटीएफ चम्पावत को सूचना मिली कि क्षेत्र में बरेली के कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान टीम को धनुष पुल के पश्चिमी छोर शारदा नदी के किनारे दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। टीम द्वारा जब उन्हे रूकने का इशारा किया गया तो वह घबरा कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान संयुक्त टीम ने उनके पास से 101 ग्राम स्मैक बरामद की। थाने लाकर की गयी पूछताछ में उन्होने अपना नाम राम चन्द्र पुत्र स्व. नत्थू लाल निवासी ग्राम कमालपुर जिला बरेली व विकास दीक्षित पुत्र मुकेश दीक्षित निवासी ग्राम सिसौना जिला बरेली बताया। पुलिस ने दोनो तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया है। बरामद स्मैक की कीमत पांच लाख रूपये आंकी गयी है।

निगम की भूमि कब्जाने की शिकायत मेयर से की

देहरादून (संवाददाता)। नगर निगम पार्षदों ने निगम की भू पर भूमाफियाओं द्वारा कब्जा किये जाने की शिकायत मेयर से कर ज्ञापन दिया।

आज यहां नगर निगम पार्षदों ने मेयर सुनील उनियाल गामा से मिलकर उनको एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा क मोथरोवाला वार्ड 85 में नगर निगम की भूमि पर कब्जा किया जा रहा हैं। जिसकी शिकायत पूर्व में उनके द्वारा कर अधीक्षक भूमि को भी मौखिक तौर पर की गयी थी लेकिन उनके द्वारा भी कोई उचित कार्यवाही नहीं की गयी। उन्होंने कहा कि जिससे भूमाफियों के हौंसले बुलन्द हो रहे हैं तथा वह गरीब लोगों से इस सरकारी भूमि को पैसे लेकर खुर्द बुर्द किया जा रहा है। उन्होंने मांग की है कि उक्त भूमि को कब्जे में लेकर वहां पर नगर निगम का बोर्ड लगाया जाये जिससे उक्त भूमि को भूमाफियाओं से बचाया जाये। मेयर ने उनको कार्यवाही का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में राजकुमार कक्कड, विनोद रांगड, बीना नौटियाल, विरेन्द्र पोखरियाल, शेखर भाटी, अजय मोहन पैन्यूली, उमादत्त सेमवाल, नवीन क्षेत्री, राजपाल सिंह आदि मौजूद थे।

किशोर गृह से तीन बाल अपराधी फरार

हरिद्वार (हमारे संवाददाता)। रोशनाबाद स्थित राजकीय किशोर गृह से कल देर रात तीन बाल अपराधी फरार हो गए। भिक्षावृत्ति करने के मामले में इन तीनों को राजकीय किशोर गृह में दाखिल कराया गया था। फरार होने वालों में एक बाल अपराधी दो बार पहले भी फरार हो चुका है। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस तीनों की तलाश में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार रोशनाबाद स्थित राजकीय किशोर गृह के तीन बाल अपराधी मंगलवार रात फरार हो गये है। बताया जा रहा है कि मंगलवार की रात किशोर गृह में सभी किशोर खाना खाने के बाद अपने-अपने कमरों में जा रहे थे। इस दौरान फरार हुए तीन किशोरों ने बाथरूम जाने की बात कही और वह तीनों बाथरूम की तरफ जाने का बहाना कर वहां से फरार हो गए। तीन बाल अपराधियों के फरार होने की सूचना मिलते ही किशोर गृह प्रशासन ने उनकी तलाश शुरू कर दी। वहीं पुलिस को भी इस मामले में सूचना दी गई। फरार होने वालों में दो बाल अपराधी 16 साल के हैं, जबकि एक 17 साल का बताया जा रहा है। वहीं यह भी पता चला है कि इनमें से एक बाल अपराधी कुछ दिन पहले भी फरार हुआ था। बहरहाल मामले की जानकारी पुलिस को मिली तो उसने मौके पर पहुंच कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

सम्पत्ति कब्जाने के आरोप में छह पर मुकदमा

देहरादून (संवाददाता)। पिता की सम्पत्ति पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए महिला ने छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कनाडा निवासी महिला ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह कनाडा रहती है तथा उसके पिता यहां थापा मार्ग निकट काली मन्दिर में रहते है। उसने बताया कि उसके पिता ने अपनी देखरेख के लिए सुनीता नाम की महिला को रखा हुआ था। उसके पिता की मौत के बाद जब वह यहां आयी तो उसको पता चला कि सुनीता ने अपने साथ पांच अन्य व्यक्तियों को साथ मिलाकर उसके पिता के फर्जी हस्ताक्षर से कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उसके पिता की सम्पत्ति को हडकपने की योजना बना सम्पत्ति पर कब्जा कर लिया है।

राज्यसभा सांसद ने किया महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का अनावरण

संवाददाता

रूड़की। महाराजा अग्रसेन चौक ट्रस्ट द्वारा स्थापित महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का अनावरण राज्यसभा सांसद नरेश बंसल द्वारा फीता काटकर किया गया।

इस दौरान उन्होने कहा कि महाराजा अग्रसेन किसी एक समाज के नहीं बल्कि सर्व समाज के हितो के रक्षक थे। उन्होने कहा कि समाजवाद को उन्होने ही सही रूप से परिभाषित किया था उनकी प्रेरणा से ही वैश्य समाज आज सामाजिक कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर भाग लेता है। उन्होने कहा कि वैश्य समाज द्वारा काफी समय से रूड़की नगर में एक अग्रसेन चौक की मांग की जाती रही है। जिसे आज समाज के लोगों द्वारा पूरा किया गया है।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

दुनिया में जो नई व्यवस्थाएं बन रही है, उसमें भारत का आत्मनिर्भर होना बहुत आवश्यकः पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया में बन रही नयी व्यवस्थाओं को देखते हुए भारत का आत्मनिर्भर होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने संचार के क्षेत्र में विदेशों पर निर्भरता को भी कम से कम करने का आह्वान किया। प्रौद्योगिकी–सक्षम विकास पर बजट–पश्चात एक वेबिनार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस बार के आम बजट में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए जो प्रावधान किए गए हैं, वह बहुत महत्वपूर्ण हैं और इनका तेजी से क्रियान्वयन बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा

कि प्रौद्योगिकी नागरिकों को सशक्त करने और देश को आत्मनिर्भर बनाने का प्रमुख आधार है। उन्होंने कहा कि आज ही अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने एक भाषण में अमेरिका को आत्मनिर्भर बनाने की बात कही और उन्होंने भी मेड इन अमेरिका पर बहुत जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, इसलिए हम जानते हैं कि दुनिया में जो नई व्यवस्थाएं बन रही है, उसमें हमारे लिए भी बहुत आवश्यक है कि हम आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने कहा कि संचार के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकी लाने के लिए देश को अपने प्रयासों को और अधिक गति देने की जरूरत है।

यूक्रेन के लिए राहत सामग्री लेकर भारतीय वायुसेना का विमान रोमानिया रवाना

नई दिल्ली । भारतीय वायुसेना का एक सी–१७ ग्लोबमास्टर विमान यूक्रेन के वास्ते राहत सामग्री लेकर बुधवार को सुबह रोमानिया के लिए रवाना हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस विमान में रोमानिया से उन भारतीय नागरिकों को वापस लाए जाने की भी उम्मीद है, जो युद्धग्रस्त यूक्रेन से किसी तरह सीमा पार कर रोमानिया पहुंचने में सफल रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि रोमानिया के लिए तड़के एक विमान रवाना हुआ। भारत ने मानवीय सहायता के तौर पर यूक्रेन को पोलैंड के रास्ते दवाओं और अन्य राहत

सामग्री की पहली खेप मंगलवार को भेजी थी। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि यूक्रेन की सीमाओं पर विकट मानवीय स्थिति से निपटने के लिए यूक्रेन को राहत सामग्री की पहली खेप कल (मंगलवार को) भेजी जाएगी। गौरतलब है कि रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद वहां कई तरह के मानवीय संकट उत्पन्न हो गए हैं। इस मानवीय संकट से निपटने में मदद के लिए भारत ने यूक्रेन को राहत सामग्री भेजने का निर्णय किया है।

बुलडोजर बोलता नहीं, बोलती कर देता है बंदः योगी अदित्यनाथ

मऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि बुलडोजर बोलता नहीं, बोलती बंद करता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को विधान सभा मधुबन के पाती मैदान में पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में चुनाव प्रचार करने पहुंचे। मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र और राज्य सरकार के जनहित योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही विपक्षी दलों पर भी जोरदार हमला बोला। चुनाव से पहले भाजपा छोड़ने वाले कद्दावर नेता दारा सिंह का बिना नाम लिए निशाना साधा। कहा कि पिछली बार दगाबाज ने धोखा दिया अबकी बार मौका नहीं मिलेगा। सीएम योगी अदित्यनाथ ने कहा कि सुरक्षा सबको दी जा रही है। वहीं माफियाओं को रौंदने का काम किया गया है। बुलडोजर बोलता नहीं, बोलती बंद करता है। एक माफिया मऊ में गोली चला रहा था। कार की बोनट पर बैठ कर वह गोली चलाता था। आज कीड़े की तरह रेंग रहा है। जनता से अपील किया कि भाजपा को चारों सीटों पर जीत दिलाएं। मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने मंच से विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि आज मुझे मधुबन में आने का अवसर मिला है। पांच चरणों का मतदान खत्म हो चुका है। छठवां चरण आ चुका है। रुझान में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिल रहा है। छठवें में जोरदार झटके लगेंगे, भाजपा २७५ पार करेगी।

एनएसयूआई ने केन्द्र सरकार के खिलाफ दिया धरना

संवाददाता

देहरादून। यूक्रेन से छात्रों को वापस लाने के लिए पर्याप्त मदद ना करने का आरोप लगाते हुए एनएययूआई ने गांधी पार्क पर धरना दिया।

आज यहां एनएसयूआई उत्तराखंड ने प्रदेश अध्यक्ष मोहन भंडारी के नेतृत्व में गांधी पार्क में धरना प्रदर्शन किया। एनएसयूआई ने केंद्र सरकार पर यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्र छात्राओं को पर्याप्त मदद ना पहुंचाने को लेकर धरना दिया व जमकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। एनएसयूआई ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाए कि दूसरे देशों ने अपने नागरिकों को समय से पहले यूक्रेन से ला चुके थे। जबकि भारत अपने छात्र छात्राओं को समय से नही लाया। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष मोहन भंडारी ने कहा कि

अभी भी हजारों की संख्या में छात्र यूक्रेन बॉर्डर पर फसे हुए है लेकिन सरकार की व्यवस्थाएं अपर्याप्त हैं हम सरकार से मांग करते हैं की चुनाव प्रचार में अपनी व्यस्तता को कम कर सरकार छात्र छात्राओं को सकुशल अतिशीघ्र वतन वापस लाए। इस प्रदर्शन में एनएसयूआई के राष्ट्रीय संयोजक विकास नेगी, अजय रावत,उदित थपलियाल, हिमांशु रावत,अभय कत्युरा, वासु शर्मा, दिव्य रावत, नमन शर्मा, सिद्धार्थ, उत्कर्ष जैन, प्रकाश नेगी, शिवम चौधरी,आरिफ अली, वसीम अली, खुशी, राहुल रावत, हरजोत सिंह, प्रियांशु गौर आदि मौजूद रहे।

सेल्फी के चक्कर में गंगा में डूबा, लापता

हमारे संवाददाता

देहरादून। महाशिवरात्रि पर दिल्ली से आया एक पर्यटक सेल्फी लेने के चक्कर में ऋषिकेश स्थित गंगा में डूब गया। सूचना मिलने पर जल पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाया लेकिन पर्यटक का कुछ पता नहीं चल सका है।

जानकारी के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन दिल्ली से आये 6 पर्यटक लक्ष्मण झूला क्षेत्र में घूमने के लिए पहुंचे। बताया जा रहा है कि इस दौरान शाम को हेमंत पुत्र नरेश भट्ट दिल्ली फूलचट्टी के समीप गंगा में सेल्फी लेने लगा। उसके साथी पर्यटक जब तक कुछ समझ पाते वह देखते ही देखते गंगा की धाराओं में बहने लगा।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची जल पुलिस के जवानों ने उसकी खोजबीन की लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका है। बहरहाल उसकी तलाश की जा रही है।

परिणाम से पहले ही...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

जेपी नड्डा अभी भाजपा की सत्ता में वापसी और सत्ता से बाहर होने जैसी स्थितियों के स्पष्ट होने का इंतजार कर रहे हैं लेकिन वह पार्टी के पूर्व सीएम व वर्तमान सीएम के साथ–साथ अन्य नेताओं से भी संगठन में बदलाव व संभावी चुनाव परिणामों पर फीडबैक लेने में लगे हुए हैं। 2017 के चुनाव में बंपर बहुमत के साथ सत्ता में पहुंचने के बावजूद भाजपा सरकार के काम का संतोषजनक न रहना और अब चुनाव में आपसी खींचतान और भितरघात से पार्टी को नुकसान पहुंचाने जैसी बातों से भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व खासा नाराज है।

सूत्रों से मिलने वाली खबरें बता रही है कि चुनाव परिणाम भले ही कुछ भी रहे लेकिन नतीजे आते ही बड़ा बदलाव होते हैं और इसकी अभी से तैयारियां कर ली गई है। क्योंकि भाजपा के लिए 2024 के आम चुनाव के मद्देनजर वर्तमान स्थिति को ठीक नहीं माना जा सकता है। वैसे भी 2023 में प्रदेश भाजपा का संगठन चुनाव होना ही है लेकिन इसका इंतजार भाजपा नहीं करेगी।

एटीएम कार्ड बदलकर निकाले 51 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। दो युवकों ने युवती का एटीएम कार्ड बदलकर खाते से 51 हजार रूपये निकाल लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रिस्पना नगर निवासी किरन अरोडा ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह रिस्पना पुल के पास स्थित यूनियन बैक के एटीएम से पैसे निकालने गयी थी जब वह एटीएम के अन्दर थी तभी दो युवक वहां पर पहुंच

गये तथा उन्होंने उसकी मदद करने के बहाने उसका एटीएम कार्ड बदल दिया। जिसके बाद उसको पता चला कि खाते से 51 हजार रूपये निकाल लिये गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बैंक अधिकारी बन ठगे 57 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। एसबीआई बैंक का अधिकारी बनकर खाते से निकाले 57 हजार रूपये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार एकता विहार मोहकमपुर निवासी माधव प्रसाद जोशी ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पास एक फोन आया तथा कॉल करने वाले ने अपने आपको एसबीआई बैंक का अधिकारी बताकर उससे खाते की केवाईसी अपडेट कराने का कहकर सारी जानकारी ले ली जिसके बाद उसके खाते से 57 हजार रूपये निकाल लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिलाधिकारी यूक्रेन में फंसे..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

लेकर सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। प्रारंभिक दौर में सरकार के पास इनका कोई डाटा उपलब्ध नहीं था जिसके लिए हेल्प लाइन नंबर जारी कर जानकारियां जुटाई गई। राज्य के 300 से अधिक लोगों के यूक्रेन में फंसे होने की जानकारी मिली थी। लेकिन इनके बारे में पूरी जानकारी न होने के कारण उनसे संपर्क बनाने में दिक्कतें हो रही थी जिसे अब आसान बनाने और उनकी वापसी के प्रयासों को तेज किया जा रहा है। बैठक में अपर मुख्य सचिव आनंद वर्धन एडीजी इंटेलिजेंस संजय गुंज्याल व ए एस मुरुगेशन, विनोद कुमार, निवेदिता कुकरेती सहित अन्य कई अधिकारी मौजूद रहे।

कार चालक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। कार से टक्कर मारकर दो लोगों की मृत्यु होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ज्वालापुर निवासी अश्वनी शर्मा ने डोईवाला कोतवाली में 21 फरवरी को मुकदमा दर्ज कराया था कि उसका भाई अनुज अपने दोस्त के साथ घर ज्वालापुर जा रहा था तभी लालतप्पड के पास इनोवा कार ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे दोनों की मौत हो गयी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार के नम्बर के आधार पर कार चालक अनुज कुमार पुत्र सुंदरलाल निवासी गाजियाबाद को आज गिरफ्तार कर लिया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।